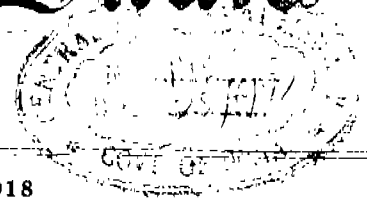




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 15, 1997/फाल्गुन 24, 1918  
No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 15, 1997/PHALGUNA 24, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of  
Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग  
आदेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.अ. 46.—जबकि, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में  
यथा विनिर्दिष्ट अप्रैल, 1996 में हुए हरियाणा राज्य विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में  
तदनुसारी विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, के स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला  
प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विधान बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के  
स्तम्भ (5) में यथा दर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है,

और जबकि, उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा  
स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा लिए गए अभ्यावेदनों पर यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का  
यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 19-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में  
विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य-संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान  
परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए एतद्वारा  
निरहित घोषित करता है।

## मारणी

क्रम सं.	निर्वाचन का विवरण	निर्वाचन क्षेत्र की क्रम सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निराहता का कारण
1	2	3	4	5
1.	हरियाणा राज्य की विधान सभा के लिए साधारण निर्वा- चन, 1996	27--पार्स	श्री कोरमान, गांव व डा.--शेखपुरा, जिला--करनाल ।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहा ।
2.	--वही--	--वही--	श्री दयानन्द, गांव व डा.--पार्स, तह. व जिला कैथल ।	--वही--
3.	--वही--	--वही--	श्री दर्शन कुमार उर्फ मुद्गलन, गांव व डाक--मुन्दड़ी, तह. व जिला--कैथल ।	--वही--
4.	--वही--	--वही--	श्री धर्मपाल, गांव-बिरछपुर, जिला--करनाल ।	--वही--
5.	--वही--	--वही--	श्री प्रेम सिंह, गांव-बिरछपुर, जिला--करनाल ।	--वही--
6.	--वही--	--वही--	श्री महेन्द्र, गांव व डा.--तरङ्ग, तह. व जिला--कैथल ।	--वही--
7.	--वही--	--वही--	श्री रणधीर सिंह । गांव व डाक--सेरघा, तह. व जिला--कैथल ।	--वही--
8.	--वही--	--वही--	श्री रणधीर सिंह, गांव व डाक--चिड़ाव, जिला--कपनाल	--वही--
9.	--वही--	--वही--	श्री सुरजीत, गांव व डा.--खेड़ी नरु, जिला--करनाल ।	--वही--
10.	--वही--	--वही--	श्री कृष्ण चन्द गांव व डाक.--बोका, तहसील--गुह्ला, जिला--कैथल ।	--वही--

[सं. 76-हरि./प्र.स./96(1)]

आदेश से,  
के.जे. राव, सचिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

## ORDER

New Delhi, the 7th February, 1997

O.N. 46.—Where as, the Election Commission of India is satisfied that the contesting candidates specified in the column (4) of the table below at the General Election to the Haryana Legislative Assembly held in April, 1996 as specified in column (2) and held from constituency correspondingly specified in column (3) against their names have failed to lodge account of their election expenses, as shown in column (5) of the table, as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, The Election Commission is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of three years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	No. and Name of constituency	Name and address of contesting candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the Haryana Legislative Assembly, 1996.	27—Pai	Sh. Kaur Bhan, V. & P.O. Shekhpura, Teh. & Distt. Karnal.	Failed to lodge any account of election expenses.
2.	-do-	-do-	Sh. Daya Nand, V. & P.O. Pai, Teh. & Distt. Kaithal.	-do-
3.	-do-	-do-	Sh. Darshan Kumar, Urf Sudarashan, V. & P.O. Mundri, Teh. & Distt. Kaithal.	-do-
4.	-do-	-do-	Sh. Dharam Pal, V. Birchhpur, Distt. Karnal.	-do-
5.	-do-	-do-	Sh. Prem Singh, V. Birchhpur, Distt. Karnal.	-do-
6.	-do-	-do-	Sh. Mahender, V. & P.O. Narar, Teh. & Distt. Kaithal.	-do-
7.	-do-	-do-	Sh. Randhir Singh, V. P.O. Serdha, Teh. & Distt. Kaithal.	-do-
8.	-do-	-do-	Sh. Randhir Singh, V. P.O. Chirow, Teh. & Distt. Karnal.	-do-

1	2	3	4	5
9. General Election to the Haryana Legislative Ascmby, 1996.	27—Pai	Sh. Surjeet, V. & P.O. Kheri Naru, Teh. & Distt. Karnal.		Failed to lodge any account of election expenses.
10. -do-	-do-	Sh. Krishan Chand, V. & P.O. Cheeka, Teh. Guhla, Distt. Kaithal.		-do-

[No. 76/HN-LA/96(1)]

By order,

K. J. RAO, Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.प्र. 47:—जबकि, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा-विनिर्दिष्ट नवम्बर, 1993 में हुए राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली की विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में तदनुसूची विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, के स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथादर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है,

और जबकि, उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्यसंघ क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए एतद्वारा निरहित घोषित करता है।

## सारणी

क्रम सं.	निर्वाचन का विवरण	निर्वाचन क्षेत्र की क्रम सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निर्गृहीता का कारण
1	2	3	4	5
1.	राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन 1993	50—घोंडा	श्री गुलबीर सिंह पो.-28, गली नं. 17, बहापुरी कालोनी, दिल्ली-52	विधि द्वारा अपेक्षित रीति में निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
2.	—वही—	—वही—	श्री जिले सिंह गां. गांवरी, दिल्ली-53	—वही—
3.	—वही—	—वही—	श्री राजेश शर्मा बी-623/1, अर्वाबन्द नगर, घोंडा दिल्ली 53।	—वही—

1	2	3	4	5
4.	राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1993	50—घोंडा	श्री सुदन सिंह जे-222, ब्रह्मपुरी, करतार नगर, दिल्ली।	विधि द्वारा अपेक्षित रीति में निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
5	—वही—	—वही—	श्री कुमार जी लाल रजोग्रिया म.नं. एच-121/2ए, गली नं. 17, जय प्रकाश नगर, घोंडा, दिल्ली-53	—वही—
6.	—वही—	—वही—	श्री बलराज सिंह म.नं. 9/5298, सीलमपुर (पुराना), गांधी नगर, दिल्ली	—वही—
7.	—वही—	—वही—	श्री विजय बी-43/टी, दिलशाद गार्डन, माहवरा, दिल्ली-32	—वही—

[(सं 76/दिल्ली—वि.म. 94/(16) खण्ड-II)]

आदेश से,  
के.जे. राव, सचिव

## ORDER

New Delhi, the 7th February, 1997

O.N. 47 —.—Whereas, the Election Commission of India is satisfied that the contesting candidates specified in column (4) of the table below at the General Election to the National Capital Territory of Delhi Legislative Assembly held in November, 1993, as specified in column (2) and held from constituency correspondingly specified in column (3) against their names have failed to lodge account of their election expenses, as shown in column (5) of the table, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, The Election Commission is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declare the person specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of three years from the date of this order.

## TABLE

S. No.	Particulars of election	No. and Name of constituency	Name and Address of contesting candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the National Capital Territory of Delhi Legislative Assembly, 1993.	50—Ghonda	Sh. Gulvir Singh, P-28, Gali No. 17, Brahmpuri Colony, Delhi-53.	Failed to lodge the account of election expenses in manner required by law.

1	2	3	4	5
2.	General Election to the National Capital Territory of Delhi Legislative Assembly, 1993	50- Ghonda	Sh. Ziley Singh, Village- Gavari, Delhi-53.	Failed to lodge the account of election expenses in the manner required by law.
3.	-do-	-do-	Sh. Rajesh Sharma, V-623/1, Arvind Nagar, Ghonda, Delhi-53.	-do-
4.	-do-	-do-	Sh. Sudan Singh, J-222, Brahmpuri, Kartar Nagar, Delhi.	-do-
5.	-do-	-do-	Sh. Kumarji Lal Rajoria, H. No. H-121/2A, Gali No. 17, Jai Prakash Nagar, Ghonda, Delhi-53.	-do-
6.	-do-	-do-	Sh. Balraj Singh, H. No. 9/5298, Seelampur (Old), Gandhi Nagar, Delhi.	-do-
7.	-do-	-do-	Sh. Vijay, B-43/T, Dilshad Garden, Shahdara, Delhi-32.	-do-

[No. 76/DL-LA/94(16)-Vol. II]

By order,

K. J. RAO, Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1997

आ.अ. 48-— यतः, “इंडियन नेशनल कांग्रेस” एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल है और निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के उपबन्धों के अधीन इसके लिए प्रतीक “हाथ” आरक्षित है,

2. और यतः, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के उपबन्धों के अधीन, कर्नाटक राज्य में “कर्नाटक कांग्रेस पार्टी” मान्यता प्राप्त राज्याय दल है।

3. और यतः, आयोग को यह बताया गया है कि उक्त “कर्नाटक कांग्रेस पार्टी” का “इंडियन नेशनल कांग्रेस” में जो कि एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल है, विलय हो गया है,

4. और यतः, अपने पास रखे रिकार्ड और सूचना के आधार पर तथा सभी उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आयोग का मत समाधान हो गया

है कि उक्त “कर्नाटक कांग्रेस पार्टी” का इण्डियन नेशनल कांग्रेस में विलय हो गया है और अब यह अलग पार्टी के रूप में अस्तित्व में नहीं है,

5. और यतः, आयोग ने निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के पैरा 18 के अधीन यह निर्देश दिया है कि मान्यता प्राप्त राज्यीय राजनैतिक दलों की सूची में से “कर्नाटक कांग्रेस” का नाम हटा दिया जाए,

6. अतः अब, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश 1968 के पैरा 17 के खण्ड ‘ख’ के उपपैरा (1) और उप पैरा (2) के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग एतद्वारा तारीख 5-2-1996 की अपनी अधिसूचना सं. 56/96/न्याय.-II में निम्नलिखित संशोधन और करता है है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ II में क्रम सं. 7 के सामने दिख रही “कर्नाटक कांग्रेस पार्टी” से संबंधित

स्तम्भ (1) (2), (3) (4) तथा स्तम्भ (5) में विद्यमान सभी प्रविष्टियों को हटा दिया जाए।

[सं. 56/97(2)]

आदेश में,

एम.के. मेंदीरत्ता, निदेशक (विधि) और पदेन  
प्रधान सचिव

New Delhi, the 26th February, 1997

O.N. 48.—Whereas, the 'Indian National Congress' is a recognised National Party and the symbol 'Hand' is reserved for it under the provisions of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968;

2. And whereas, the 'Karnataka Congress Party' is a recognised State party in the State of Karnataka under the provisions of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968;

3. And whereas, it has been reported to the Commission that the aforesaid 'Karnataka Congress Party' has merged with the 'Indian National Congress', a recognised National Party;

4. And whereas, the Commission is satisfied, on information and records in its possession and after taking into account all the available facts and circumstances, that the said 'Karnataka Congress Party' has merged with the 'Indian National Congress', and is no longer in existence as a separate party;

5. And whereas, the Commission has directed under paragraph 18 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 that the name of 'Karnataka Congress' shall be removed from the list of recognised State political parties;

6. Now, therefore, in pursuance of clause (b) of sub-paragraph (1) and sub-paragraph (2) of paragraph 17 of Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Election Commission hereby makes the following further amendment to its Notification No. 56/96/JUD-II, dated 05-02-1996, as amended, namely:—

In Table-II.—appended to the said Notification,—the existing entries in columns (1), (2), (3), (4) and (5) relating to "Karnataka Congress Party" appearing against Serial No. 7 shall be Deleted.

[No. 56/97(2)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Director (Law) And  
Ex-Officio Principal Secy.

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1997

आ.अ. 49.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग वर्ष 1991 की निर्वाचन अर्धी सं. 7 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, बैन्च ग्वालियर के तारीख 28 जून, 1996 के आदेश को एतद्वारा प्रकाशित करता है।

(आदेश अंग्रेजी के साथ छपा है)

[सं. 82/म.प्र.-लो.स./7/91(96)]

आदेश में,

एल.एच. फारुकी, सचिव

New Delhi, the 27th February, 1997

O.N. 49.—In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the order of the High Court of Madhya Pradesh Bench Gwalior dated 28th June, 1996 in Election Petition No. 7 of 1991.

ORDER

HIGH COURT OF MADHYA PRADESH, JABALPUR  
E.P. No. 7/91

28-6-1996

None for the petitioner :

Shri R. D. Jain, and Shri R. Bhargava.

Counsel for the non-applicant.

Learned Counsel for the respondent contended that in view of AIR 1984 SC 135 the petition has to be dismissed as the petitioner has neither taken steps for summoning witnesses as reported by the office nor he is present even today to prosecute. The petition is, therefore, dismissed for want of prosecution.

Sd/- Tej Shankar,  
Election Judge

[No. 82/MP-LA/(7/91)/96]

By Order,

L. H. FARUQI, Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1997

आ.अ. 50.— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के परामर्श से श्री ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव, प्रबन्ध निदेशक लक्षद्वीप विकास निगम एवं कृषि योजना, लोक निर्माण, सरकारी. मुद्रणालय सूचना और प्रसार तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पदेन सचिव को मुख्य निर्वाचन अधिकारी लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के रूप में, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख और अगले आदेशों तक श्री बी. विजयन के स्थान पर एतद्वारा नामित करता है। उन्हें निर्वाचन आयोग के अधीन निर्वाचन कार्यों को देखने वाले सचिव के रूप में भी पदाभिहित किया जाएगा।

आयोग ने ध्यान में रखा है कि श्री ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव के पास प्रबन्ध निदेशक, लक्षद्वीप विकास निगम एवं कृषि योजना, लोक निर्माण, सरकारी मुद्रणालय, सूचना और प्रसार तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के पदेन सचिव का अतिरिक्त कार्यभार है आयोग लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र में पूर्णकालिक मुख्य निर्वाचन अधिकारी के लिए जोर नहीं दे रहा है क्योंकि राज्य में दो से अधिक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र नहीं हैं। साधारण निर्वाचनों के आसन्न होते ही श्री ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव कोई अतिरिक्त कार्यभार नहीं संभालेंगे।

[सं. 154/लक्षद्वीप/97]

आदेश में,

सी.आर. ब्रह्म, सचिव

New Delhi, the 28th February, 1997

O.N. 50.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of the Union Terri-

Govt. of Lakshadweep hereby nominates Shri Gyanendra Srivastava, Managing Director, Lakshadweep Development Corporation and ex-officio Secretary of Agriculture Planning, Public Works Govt. Press, Information and Publicity and Science and Technology Departments, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Lakshadweep with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri B. Vijayan. He will also be designated as Secretary dealing with elections under the Election Commission.

2. The Commission has noted that Shri Gyanendra Srivastava has additional charge of Managing Director, Lakshadweep Development Corporation and ex-officio Secre-

tary of Agriculture Planning, Public Works Govt. Press, Information and Publicity and Science and Technology Departments. The Commission is not insisting on a full-time Chief Electoral Officer in the Union Territory of Lakshadweep as the said Union Territory has not more than two Parliamentary Constituencies. As soon as a general election becomes imminent Shri Gyanendra Srivastava shall not hold any additional charge.

[No. 154/LKD/97]

By Order,  
C. R. BRAHMAM, Secy.